

विद्यालय प्रबन्धन समिति के सम्मानित सदस्यगण

आप अवगत है कि समस्त भारतवर्ष में "स्वच्छ भारत अभियान" दिनांक 02 अक्टूबर 2014 से प्रारम्भ हो चुका है। विद्यालयों में "स्वच्छ भारत, स्वच्छ विद्यालय" अभियान प्रारम्भ हो चुका है, जोकि 15 अगस्त, 2015 तक निरन्तर चलता रहेगा। "सर्व शिक्षा अभियान" के अन्तर्गत प्रत्येक बच्चे को प्रारम्भिक स्तरीय शिक्षा सुविधा उपलब्ध कराने हेतु आपके सहयोग से नवीन विद्यालयों की स्थापना कर इन विद्यालयों को समस्त भौतिक संसाधनों यथा पेयजल, शौचालय, चाहरदीवारी आदि से सुसज्जित करने का प्रयास किया गया है, तथापि अभी भी कतिपय विद्यालय ऐसे हैं, जिनमें बालक और बालिकाओं हेतु पृथक-पृथक शौचालयों का अभाव है अथवा उपलब्ध शौचालय बच्चों के प्रयोग योग्य नहीं है। बिना शौचालयों के स्वच्छता की कल्पना नहीं की जा सकती।

अतएव आपसे अनुरोध है कि आप अपने विद्यालयों का अवलोकन कर ऐसे विद्यालयों को चिन्हित करें, जो कि या तो शौचालय विहीन हैं अथवा जिनमें शौचालय उपलब्ध तो है, परन्तु प्रयोग योग्य नहीं हैं। हमारे स्तर से प्रत्येक मुख्य शिक्षा अधिकारी तथा जिला परियोजना अधिकारी को इस आशय के निर्देश जारी किये जा चुके हैं कि प्रत्येक प्रयोगहीन शौचालय को "विद्यालय अनुरक्षण मद" की धनराशि से प्रयोग योग्य बनाया जाए। जिन विद्यालयों में शौचालय सुविधा उपलब्ध है तथा समस्त शौचालय प्रयोग हेतु तैयार हैं, में विद्यालयों की रंगाई-पुताई एवं सौन्दर्यीकरण करने हेतु भी अभियान चलाने हेतु निर्देशित किया गया है। इसलिए विद्यालयों में सौन्दर्यीकरण करवाने में आपका सहयोग वांछित है, "स्वच्छ भारत, स्वच्छ विद्यालय" की संकल्पना बिना समुदाय के सहयोग से सम्भव नहीं है। स्वच्छता के सम्बन्ध में भी अपने बच्चों को प्रेरित करने में आपका सहयोग अपेक्षित है।

मेरा आपसे अनुरोध है कि आप अपने विद्यालय को स्वच्छ रखने में अपना सहयोग प्रदान करें तथा इस सम्बन्ध में आपके कोई भी सुझाव हो तो राज्य परियोजना कार्यालय, सर्व शिक्षा अभियान के टोल फ्री नम्बर - 18001804132 पर अथवा अपने निकटस्थ संकुल समन्वयक, ब्लॉक समन्वयक अथवा जिला परियोजना अधिकारी को अवश्य सूचित करें।

(राधिका झा)

राज्य परियोजना निदेशक
सर्व शिक्षा अभियान
उत्तराखण्ड, देहरादून।